ISSN - OLD-2231-3613, NEW-2455-8729
International Educational Journal
UGC APPROVAL NO. - 42652
CHETANA

Received on 9th July 2017, **Revised** on 17th July 2017; **Accepted** 17th July 2017

शोध पत्र

"उच्च माध्यमिक स्तर के विद्यालयी शिक्षकों में प्रधानमंत्री जन धन योजना के प्रति अभिवृत्ति का अध्ययन"

*** डॉ. एकता पारीक (प्राचार्या)**
बियानी गर्ल्स बी.एड. कॉलेज, जयपुर
9928910366 (M)

मुख्य शब्द – *वित्तीय समावेशन, जन धन योजना, अभिवृत्ति आदि*

1. पृष्ठभूमि

मनुष्य प्रत्येक कार्य का क्रियान्वयन एक व्यवस्थित तरीके से करता है। वह किसी भी कार्य को करने से पूर्व उसकी योजना बनाता है कि उसे वह कार्य किस प्रकार से करना है। इसी प्रकार भारत में भी भारतीय नागरिकों को आर्थिक रूप से व्यवस्थित करने हेतु समय–समय पर अनेक योजनाओं का निर्माण किया गया है।

वर्तमान प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी भारत की अर्थव्यवस्था को सुदृढ़ करने हेतु अनेक योजनाएँ चला रहे हैं। इन्हीं योजनाओं में से एक योजना है– ''प्रधानमंत्री जन–धन योजना''।प्रधानमंत्री जन–धन योजना एक ऐसा वित्तीय समावेशन है जिसके द्वारा प्रत्येक भारतीय को बैंक से जोड़ा जा रहा है ताकि वह आर्थिक रूप से समृद्ध बन सके। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 15 अगस्त, 2014 को नई दिल्ली के लाल किले से जनसाधारण को संबोधित करते हुए इस योजना की घोषणा की थी। 28 अगस्त, 2014 को इस योजना के उद्घाटन के साथ ही भारत में लगभग 1 करोड़ लोगों का बैंक अकाउण्ट खोला गया। यह अकाउण्ट जीरो बैलेंस पर खोला गया था ताकि प्रत्येक भारतीय का अपना एक बैंक अकाउण्ट हो जिसमें वह अपनी कमाई का कुछ हिस्सा बचा कर उसमें डाल दे। इस हेतु सरकार ने लगभग 60 हजार कैम्प लगाए और लोगों को इस योजना से अवगत कराने की कोशिश की।

भारत में अंतिम स्तर तक विकास लाने के लिए मुद्रा बचत योजना बहुत जरूरी है जिसको ग्रामीण क्षेत्रों में रहने वाले लोगो में अपने बचत के बारे में अधिक सर्तक बनाने के द्वारा शुरूआत और प्राप्त किया जा सकता है।भारत के गरीब लोगो को खोले गये खातों के सभी लाभ देने और बैंक खाता से उनको जोड़ने के लिए भारतीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा खासतौर से बनायी गयी खाता खोलने वाली और पैसा बचत स्कीम है –**जन धन योजना ।**

इस प्रकार यह कहा जा सकता है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा संचालित किया गया। यह अनूठा प्रयास प्रधानमंत्री जन–धन योजना के रूप में जनता को सक्षम व आर्थिक रूप से सुदृढ़ बनाने में सफल हो रहा है जिसके भविष्य में सकारात्मक परिणाम परिलक्षित हो सकेंगे।

3. शोध उद्देश्य

अनुसंधानकर्त्री ने अपने शोधकार्य हेतु निम्नलिखित शोध उद्देश्य निर्धारित किए हैं–

1. उच्च माध्यमिक स्तर के गैर सरकारी एवं सरकारी विद्यालयी शिक्षकों में प्रधानमंत्री जन धन योजना के प्रति अभिवृत्ति का अध्ययन करना।
2. उच्च माध्यमिक स्तर के सरकारी अध्यापकों एवं अध्यापिकाओं में प्रधानमंत्री जन धन योजना के प्रति अभिवृत्ति का अध्ययन करना।
3. उच्च माध्यमिक स्तर के गैर सरकारी विद्यालयी अध्यापकों एवं अध्यापिकाओं में प्रधानमंत्री जन धन योजना के प्रति अभिवृत्ति का अध्ययन करना।

4. शोध परिकल्पनाएँ

1. उच्च माध्यमिक स्तर के गैर सरकारी एवं सरकारी विद्यालयी शिक्षकों में प्रधानमंत्री जन धन योजना के प्रति अभिवृत्ति में सार्थक अन्तर नहीं है।
2. उच्च माध्यमिक स्तर के सरकारी अध्यापकों एवं अध्यापिकाओं में प्रधानमंत्री जन धन योजना के प्रति अभिवृत्ति में सार्थक अन्तर नहीं है।
3. उच्च माध्यमिक स्तर के गैर सरकारी विद्यालयी अध्यापकों एवं अध्यापिकाओं में प्रधानमंत्री जन धन योजना के प्रति अभिवृत्ति में सार्थक अन्तर नहीं है।

5. शोध प्रविधियाँ

5.1 विधि

प्रस्तुत शोध अध्ययन के लिए सर्वेक्षण विधि का चयन किया गया है।

5.2 न्यादर्श

प्रस्तुत शोध में न्यादर्श के अन्तर्गत यादृच्छिक विधि का प्रयोग करते हुए जयपुर जिले के प्राथमिक स्तर के 10 विद्यालयों के 100 विद्यार्थियों का चयन किया गया है।

5.3 उपकरण

प्रस्तुत अध्ययन में अप्रमापीकृत स्वनिर्मित प्रश्नावली का प्रयोग आंकडों के संग्रहण हेतु किया गया है।

इसमें विश्वसनीयता एवं वैधता जानने हेतु इसे चार आयामों बचत, योजना, प्रधानमंत्री जन धन योजना एवं नोटबंदी पर आधारित प्रश्नों को लिया गया है।

5.4 प्रदत्त संचयन

1. प्रस्तुत शोध में जयपुर शहर के सरकारी व गैर सरकारी विद्यालयों को शामिल किया गया है।
2. इस अध्ययन में उच्च माध्यमिक स्तर के शिक्षकों को ही शामिल किया गया है।
3. शोध कार्य हेतु उच्च माध्यमिक स्तर के 10 विद्यालय शामिल किये गये है।
4. शोध कार्य हेतु सर्वेक्षण विधि का प्रयोग दत्त संकलन हेतु किया गया है।

6. परिणाम

परिकल्पना :– 1

उच्च माध्यमिक स्तर के गैर सरकारी एवं सरकारी विद्यालयी शिक्षकों में प्रधानमंत्री जन धन योजना के प्रति अभिवृत्ति में सार्थक अन्तर नहीं है

क्र. सं.	समूह	न्यादर्श (N)	मध्यमान (M)	प्रमाणिक विचलन (S.D.)	टी–मूल्य	सार्थकता स्तर 0.05 पर
1.	उच्च माध्यमिक स्तर के गैर सरकारी विद्यालयी शिक्षक	50	14.76	0.93	6.11	अस्वीकृत
2.	उच्च माध्यमिक स्तर के सरकारी विद्यालयी शिक्षक	50	69.86	1.25		

परिकल्पना–2

उच्च माध्यमिक स्तर के सरकारी अध्यापकों एवं अध्यापिकाओं में प्रधानमंत्री जन धन योजना के प्रति अभिवृत्ति में सार्थक अन्तर नहीं है

क्र. सं.	समूह	न्यादर्श (N)	मध्यमान (M)	प्रमाणिक विचलन (S.D.)	टी–मूल्य	सार्थकता स्तर 0.05 पर
1.	उच्च माध्यमिक स्तर के सरकारी विद्यालयी शिक्षक	25	21.68	0.41	0.91	स्वीकृत
2.	उच्च माध्यमिक स्तर के सरकारी विद्यालयी अध्यापिकाएँ	25	20.8	0.85		

परिकल्पना–3

उच्च माध्यमिक स्तर के गैर सरकारी विद्यालयी अध्यापकों एवं अध्यापिकाओं में प्रधानमंत्री जन धन योजना के प्रति अभिवृत्ति में सार्थक अन्तर नहीं है

क्र. सं.	समूह	न्यादर्श (N)	मध्यमान (M)	प्रमाणिक विचलन (S.D.)	टी–मूल्य	सार्थकता स्तर 0.05 पर
1.	उच्च माध्यमिक स्तर के गैर सरकारी विद्यालयी अध्यापक	25	20.6	0.64	13.27	अस्वीकृत
2.	उच्च माध्यमिक स्तर की गैर सरकारी विद्यालयी अध्यापिकाएँ	25	8.92	0.59		

7. परिणामों की विवेचना

प्रस्तुत शोध कार्य सरकारी एवं गैर सरकारी उच्च माध्यमिक स्तर के विद्यालयी शिक्षकों में प्रधानमंत्री जन धन योजना के प्रति अभिवृत्ति जानने का एक लघु प्रयास है। इस शोधकार्य के परिणाम इस तथ्य की ओर इंगित करते हैं कि तुलनात्मक दृष्टि से अधिकांश परिस्थितियों में प्रधानमंत्री जन धन योजना के प्रति अभिवृत्ति का स्तर सरकारी उच्च माध्यमिक विद्यालयों के शिक्षकों को गैर सरकारी विद्यालयी शिक्षको से उच्चतर है (विशेषकर अध्यापिकाओं में सरकारी विद्यालयी अध्यापिकाओं को गैर सरकारी विद्यालयी अध्यापिकाओं से अभिवृत्ति स्तर उच्चत्तर है।) इसका प्रमुख कारण शोधकार्य के दौरान शिक्षकों से अन्तःक्रिया करने पर प्राप्त हुआ कि योजनाओं के प्रति निजी क्षेत्र का प्रबंधन पक्ष विशेष ध्यान नहीं देता है। योजनाओं को अधिकांशतः शिक्षकों को खानापूर्ति के रूप में सौंपी जाती है अर्थात् उन्हें ये योजनाएं बोझ समान प्रतीत होती हैं। गैर सरकारी शिक्षकों पर अतिरिक्त कार्यभार उन्हें अधिक व्यस्त रखता है साथ ही योजना के प्रति जागरुकता भी कम रखते थे। जबकि सरकारी विद्यालयी शिक्षकों की अभिवृत्ति सकारात्मक है। इन शिक्षकों से बातचीत करने पर मालूम चला कि वे सरकार की सभी योजनाओं के प्रति जागरूकता रखते हैं एवं बचत के रूप में अपने विद्यालयों में भी संचयी खातों की व्यवस्था भी करवा रखी है । तथा ये विद्यार्थियों एवं उनके अभिभावकों को भी इन योजनाओं से लाभान्वित होने हेतु जागरूक करते हैं।

अतः निष्कर्ष रूप में कहा जा सकता है कि शिक्षा के क्षेत्र में सरकार की योजनाओं के प्रति जागरूकता लायी जाये तो सरकार की सभी योजनाएं सफलतम रूप में क्रियान्वित हो सकेंगी एवं अपने उद्देश्यों की पूर्ति भी कर सकेंगे।

8. शैक्षिक निहितार्थ

विद्यालय प्रशासन की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है क्योंकि विद्यालय प्रशासन ही इन योजनाओं से संबंधित कार्यक्रम आयोजित करने की अनुमति प्रदान कर सकते है। अतः विद्यालय प्रशासन को सरकारी योजनाओं संबंधित कार्यशाला, सेमीनार जैसे कार्यक्रम आयोजित करने चाहिए ताकि शिक्षक शिक्षार्थी एवं समाज का अन्य वर्ग इन योजनाओं के प्रति जागरूक हो सकें।जैसा कि हम सभा जानते है कि समाज में जागरूकता लाने का महत्वपूर्ण कार्य शिक्षकों द्वारा ही संभव है। अतः शिक्षकों को स्वयं ऐसी योजनाओं के प्रति जागरूक रहना चाहिए ताकि वे अपने विद्यार्थी एवं उनके अभिभावकों को भी इन योजनाओं के प्रति जागरूक कर सकें, शिक्षकों द्वारा योजनाओं से संबंधित क्विज, परिचर्चा, दल

शिक्षण, पैनल परिचर्चा जेसे कार्यक्रम विद्यालय में कक्षानुसार करवाकर विद्यार्थियों को लाभान्वित किया जाना चाहिए।सरकार नीति निर्माताओं को योजनाएँ क्रियान्वित करने के साथ–साथ इनसे संबंधित जागरूकता कार्यक्रम करवाने चाहिए इसके लिए विद्यालयी शासन को इसमें सम्मिलित करना चाहिए और जो विद्यालय इनमें महत्वपूर्ण भूमिका निभायें उसे प्रोत्साहित करते हुए पुरस्कृत भी करना चाहिए। ताकि भविष्य में इस योजना की सफलता में सहयोग कर सकें एवं इस योजना में संबंधित समस्याओं का समाधान कर सकने का प्रयास कर सकें।

9. संदर्भ सूची

1. ओड, प्रो. एल. के. शैक्षिक प्रशासन '' राजस्थान हिन्दी ग्रंथ अकादमी पेज नं 410
2. बारोलिया एवं अग्रवाल, ''शैक्षिक अनुसंधान की विधियाँ एवं शैक्षिक सांख्यिकी'' राधा प्रकाशन मंदिर, आगरा पेज नं. 292.293
3. कपिल, एच.के. (2006) : ''अनुसंधान विधियाँ'' आगरा एच.पी. भार्गव बुक हाउस पेज नं. 205–207
4. शर्मा, आर.एस. (2005) : शैक्षिक अनुसाधन'' पेज नं. 290–298

5- www.pmjdy.com

6- shodhganga.inflibnet.ac.in

Corresponding Author

* डॉ. एकता पारीक (प्राचार्या)

बियानी गर्ल्स बी.एड. कॉलेज, जयपुर

9928910366 (M)